पंचामृत

(गिलास में जल लेकर चम्मच से हिलाते हुए नीचे लिखे मंत्रों को पाँच-पाँच बार बोलकर प्रतिदिन पंचामृत अवश्य बना कर पीवें व सभी घर वालों को पिलावें)

कर कृपा प्रभु दीन दयाला ।
तेरी ओट पूर्ण गोपाला ।।

राम कृपा नाशहिं सब रोगा ।
जो ऐहिं भाँति बने संयोगा ।।

जां पर कृपा राम की होई ।
तां पर कृपा करे सब कोई ।।

जां पर कृपा दृष्टि अनुकूला ।
ताहिं न व्याप त्रिविध भवशूला ।।

रखा एक हमारा स्वामी ।
सगल घट का अन्तर्यामी ।।

कृपा धाम C-2B, INSTITUTIONAL AREA, JANAK PURI, NEW DELHI-58. PH. : 25517225

Printed at : **PRINT CENTER**, 25520238, 25525646, 9810963012